Printed Pages : 8

B.Sc./B.Com. (Pt.-I)

Gen.Hindi

1011-S/C

B.Sc./B.Com (Part-I) Examination, 2018

(Three-Year Scheme)

(10+2+3)

(Common for the Faculties of Science and Commerce)

GENERAL HINDI

(सामान्य हिन्दी)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

Note: (1) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answers precisely in the main answer-book only.

नोट: किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

(2) All the parts of one question should be answered at one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer-book.

किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) किलकत कान्ह घुटरुवनि आवत।
मनिमय कनक नंद कैं आंगन, बिंब पकरिबैं, धावत।
कबहुँ निरखि हरी आपु छाँह कौं, कर सौं पकरन चाहत।
किलकि हँसत राजत द्वै दतियां, पुनि-पुनि तिहिं अवगाहत।
कनक-भूमि पर कर-पग-छाया, यह उपमा इक राजति।
करि-करि प्रतिपद प्रतिमनि बसुधा, कमल बैठकी साजति।
बाल-दसा-सुख निरखि जसोदा, पुनि-पुनि नन्द बुलावति।
अँचरा तर लै ढाँकि, सूर के प्रभु कौं दूध पियावति। 5

अथवा

अबलौं नसानी, अब न नसैहौं।
राम-कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिर न डसैहौं।
पायो राम चारुचिंतामनि, उर कर ते न खसैहौं।
स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी, चित-कंचनहिं कसैहौं।
परुबस जानि हंस्यो इन इन्द्रिन, निजबस है न हँसैहौं।
मन-मधुकर पन के तुलसी रघुपति-पद-कमल बसैहौं। 5

(ख) थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके,
जो कोई जो कह सके, कहे, क्यों चूके?
छीने न मातृपद किन्तु भरत का मुझसे,
रे राम, दुहाई करूँ और क्या तुझसे?

https://www.pdusuonline.com

कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही। 5

अथवा

देख-देख नाचता हृदय
बहने को महा विकल-बेकल,
इस मरोर से-इसी शोर से-
सघन घोर गुरु गहन रोर से
मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर!
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर! 5

2. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) जिस तरह सूखी लकड़ी जल्दी जल उठती है, उसी तरह से क्षुधा बावला मनुष्य ज़रा-ज़रा सी बात पर तिनक जाता है। लालबिहारी को भावज की यह ढिठाई बहुत बुरी मालूम हुई, तिनककर बोला-मैके में तो चाहे घी की नदी बहती हो! 5

अथवा

मानव शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर! पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानान्तर रेखा में नहीं हैं। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है; किन्तु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की। प्राचीनकाल से उपवास, वृत, तपस्या आदि उसी चेष्टा के भिन्न-भिन्न रूप रहे हैं। 5

(ख) हाथ की मेहनत से चीज में जो रस भर जाता है वह भला मशीन के द्वारा बनाई हुई चीज में कहाँ। जिस आलू को मैं स्वयं बोता हूँ, मैं स्वयं पानी देता हूँ, जिसके इर्द-गिर्द की घास-पात खोदकर मैं साफ करता हूँ उस आलू में जो रस मुझे आता है वह टीन में बन्द किये हुए अचार-मुरब्बे में नहीं आता। मेरा विश्वास है कि जिस चीज में मनुष्य के प्यारे हाथ लगते हैं, उनमें उसके हृदय का प्रेम और मन की पवित्रता सूक्ष्म रूप से मिल जाती है और उसमें मुर्दे को जिन्दा करने की शक्ति आ जाती है। 5

अथवा

जीवन अपने आप में एक अस्तित्व मात्र है, किन्तु जीवन की शैली एक एसी विद्या है जो मनुष्य को मनुष्यत्व सिखाती है। उसे रहन-सहन, सोच-विचार और शिष्टाचार का सौन्दर्य प्रदान करती है। जीवन में सौन्दर्य का संस्कार आते ही वह अपने को सुसंस्कृत कहने लगता है। यह सुसंस्कृत कहलाने की स्पृहा और इसकी क्रियान्विति संस्कृति का ही अंग है। यद्यपि संस्कृति अपने आप में बहुत व्यापक और गहन है। 5

3. (क) "सूरदास ने बाल-कृष्ण की शोभा का अप्रतिम वर्णन किया है।" सिद्ध कीजिये। 7½

अथवा

"रहीम भक्ति और नीति के कवि हैं।" सिद्ध कीजिये। 7½

(ख) पद्माकर के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिये। 7½

अथवा

जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 7½

4. (क) 'बाइस वर्ष बाद' रचना का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 7½

अथवा

शनि ग्रह के सम्बन्ध में लोगों की मान्यताएँ स्पष्ट कीजिए। 7½

(ख) 'सूखे चेहरों का भूगोल' रचना में जिन ग्रामीण अंधविश्वासों का जिक्र हुआ है, उन्हें लिखिए। 7½

अथवा

'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' रचना के आधार पर भारत की राजनैतिक स्थिति पर अपने विचार व्यक्त कीजिये। 7½

5. (क) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये, शब्द सीमा (300 शब्द): 8

(i) भारतीय संस्कृति और हमारे युवक

(ii) विज्ञान: वरदान या अभिशाप

(iii) आतंकवाद एक चुनौती

(iv) भ्रष्टाचार-कारण और निवारण

(ख) निम्नलिखित गद्यावतरण का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिये: 5

छोटे-छोटे तिनके जब तक बिखरे रहते हैं, तब तक उनमें किसी प्रकार की शक्ति नहीं होती। परन्तु यही तिनके जब आपस में मिल जाते हैं तो मजबूत रस्सी बन जाती है। उसमें हाथी को बाँधने की क्षमता आ जाती है। इस प्रकार मन की तमाम बिखरी शक्तियों को एक साथ बाँध लेने पर हम अपने जीवन की प्रत्येक आकांक्षा को अपना दास बना सकते हैं। हम

अपना रास्ता स्वयं बनाएँ, अपना जीवन खुद सँवारें, किसी और का सहारा न लें। हम जो कुछ भी चाहें, वह सब हमें मिल सकता है बशर्ते कि हम पूरी लगन और ईमानदारी से काम करें।

अथवा

स्वतन्त्र भारत का संपूर्ण दायित्व आज विद्यार्थियों के ऊपर है, क्योंकि आज जो विद्यार्थी हैं, वे ही कल स्वतंत्र भारत के नागरिक होंगे। भारत की उन्नति और उत्थान उन्हीं की उन्नति और उत्थान पर निर्भर करता है। अत: विद्यार्थियों को अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी से करना चाहिए। उन्हें प्रत्येक क्षण अपने राष्ट्र, अपने समाज और अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए, ताकि उनके जीवन से राष्ट्र को बल प्राप्त हो सके। 5

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक पंक्ति का पल्लवन कीजिये। 4

(i) करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

(ii) कर्म प्रधान विश्व रचि राखा।

(iii) मनुष्य है वही जो मनुष्य के लिए मरे।

(घ) (i) अध्यक्ष विकास समिति, राजकीय महाविद्यालय, (झुन्झुनु) को व्याख्याता हिन्दी पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिये। 4

अथवा

अपने मुहल्ले में सफाई की उचित व्यवस्था हेतु नगर निगम अध्यक्ष को पत्र लिखिए। 4

(ii) भारतीय डाक विभाग, कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, राजस्थान परिमंडल जयपुर द्वारा पोस्टमैन-मेलगार्ड एवं मल्टीटास्किंग स्टाफ की सीधी भर्ती परीक्षा हेतु अधिसूचना तैयार कीजिए। 4

अथवा

स्वयं को राजकीय महाविद्यालय कालाडेरा का विद्यार्थी मानते हुए पुस्तकालय व्यवस्था को सुचारू रूप से व्यवस्थित करने हेतु प्राचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए। 4

(ङ) निम्नलिखित में से दो शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिये: 2½

(i) रजनीश

(ii) राजेश

(iii) उपर्युक्त

(iv) सद्‌गति

(च) निम्नलिखित में से किसी एक पद का समास विग्रह करके समास का नाम भी लिखिये: 2½

(i) कमलनयन

(ii) यथाशक्ति

(iii) लंबोदर

(छ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए: 5

(i) भारत की वर्तमान मौजूदा हालत अच्छी नहीं है।

(ii) इसके बाद वे वापस लौट आये।

(iii) साहित्य और जीवन का घोर सम्बन्ध हैं।

(iv) यहाँ ताजे गन्ने का रस मिलता है।

(v) मैंने काफी दिनों तक उनकी प्रतीक्षा देखी।

(vi) तुम्हारा सब काम गलत होता है।

(vii) उसके बाद फिर क्या हुआ।

(ज) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए: 2½+2½=5

(i) थूक कर चाटना

(ii) बात का धनी होना

(iii) गंगा नहाना

(iv) सिर पर कफन बाँधना

(झ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिये: 5

(i) ACT

(ii) TOLL

(iii) Amendment

(iv) Draft

(v) No Dues

(vi) List

(vii) Finance

(viii) Nominate

(ञ) (i) सर्वनाम किसे कहते हैं? भेद बताइये। 2½

(ii) क्रियाविशेषण को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2½

—x—